कैदकरसकोतोकरोमुझे

दीवारोंमेंनकेदकरो

मैं उड़ना उन्मुक्तगगनमेंचाहूँ

देखनाभविष्यकोचाहूँ

समयसेमिलनाचाहूँ

नरोकोमुझे

नमेरी राह कोरोको

जानामुझेहवाकेवेगसाहै

छूनाहरअन्तरिक्षकासितारा

दूरीचॉदकीभीछोटीहै

छोटीहैहर राह जोदेखूँ

पुष्पोंसामेहकनाहैमुझे

खिलनाहैगुलावकीतरह

चाहिएवसमॉ काऑचल

कैदकरसकोतोकरोमुझे

शोभित अग्रवाल